मथुरा जागरण

6 दैनिक जागरण आगरा/मथुरा, 18 जुलाई, 2022

मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा न कोई...

- ब्रज कला केंद्र सभागार में कलाकार वंदना श्री ने दी मीरा बाई के चरित्र पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति

संवाद सहयोगी, मथुरा : सांस्कृतिक संस्था ब्रज लोक संस्कृति एवं सेवा संस्थान द्वारा सारथी परिवार के सहयोग से ब्रज कला केंद्र सभागार में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार वंदना श्री द्वारा मीराबाई के चरित्र पर आधारित गायन-अभिनय- नृत्य की एकल प्रभावी प्रस्तुति दी गई। केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली की अनुदान योजना के अंतर्गत यह आयोजन किया गया।

कलाकार वंदना श्री ने नृत्य-नाटिका की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि इसमें कृष्ण भक्ति का प्रेरणात्मक संदेश है। मीरा बाल्यकाल से ही कृष्ण भक्ति में लीन हो गई थी और कृष्ण को अपना पति मान लिया था। विवाह योग्य होने पर माता ने जब विवाह की बात की तो यही उत्तर दिया मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा न कोई जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई। उन्होंने प्रस्तुत कथानक के अनुरूप पार्श्व पृष्ठभूमि में संबंधित दृश्यों को आकर्षक रूप में दर्शाया।

उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी के पूर्व उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहनस्वरूप भाटिया ने कहा कि आज की पीढ़ी मीरा आदि को भूलती जा रही है जिससे भारत का गौरवशाली इतिहास आहत होगा। सारथी संस्था के अध्यक्ष मफतलाल अग्रवाल ने वंदना श्री को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। ब्रज कला केंद्र के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोहर लाल गोयल, राजेंद्र भगत, दीपक गोयल, दीपा भार्गव, नरेश बर्मन, वीरेंद्र गोयल, नीलेश आदि उपस्थित रहे। संचालन राजकुमार यादव ने किया।